



रागिनी बनाम पूर्णिमा : नीरज सिंह हत्याकांड में अदालत के फैसले के बाद अब न्याय और राजनीति की जंग होगी और तेज़

सुनील भंडारी

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद की राजनीति एक बार फिर उबल पर है। नीरज सिंह कहा कि आठ साल पांच महीने तक एक निर्देश व्यक्ति को सलाहों के पांछे रखने वालों को सेमत सभी आरोपितों की हारी होने के बाद अब यह मामला सिफ अदालती नहीं, बल्कि पूरी रुटे हो गया है। इस फैसले के साथ ही कांग्रेस ने राजनीतिक भी हो गया है। इस पूर्णिमा नीरज सिंह और भाजपा विधायक रागिनी सिंह के बीच वर्षों से चल रही सियासी और पारिवारिक जंग एक नये मोड़ पर पहुंच गयी है।

जिन्हें गोली घलायी, वे कौन थे : पूर्णिमा

पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने अदालत के फैसले को अन्यायपूर्ण बताते हुए जरिस फैर नीरज अधिवक्ता की शुरुआत की है। जिस स्थान पर 2017 में उनके पति नीरज सिंह और उनके तीन सहयोगियों की सरेआम गोली मारकर हत्या की गयी थी, वही नीरज सिंह, उनके अंगरक्षक, चालक और पांच को गोलियों से भूम दिया गया था। आरोप सिंह और तत्कालीन भाजपा विधायक संजीव सिंह ने बाद संजीव सिंह पर लगे। घटना के गये तो कलारी और बारी होगी। हम हाइकोर्ट और जलूर पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट तक जायेंगे। हत्यारों को फासी के फंदे तक पहुंचा कर ही दम लेंगे।

रागिनी सिंह का पलटवारः कानूनी लड़ाई अब भी बाकी है

वहीं अदालत के फैसले के बाद झिरिया की भाजपा विधायक

2017 की वह भयावह शाम, जिसने धनबाद को डाकझोर दिया था

21 मार्च 2017 की शाम झिरिया के स्टील गेट पर गोलीबारी की वह घटना आज भी धनबाद के लोगों की स्मृति में ताजा है। कांग्रेस नेता और पूर्व डिलीपेर नीरज सिंह, उनके अंगरक्षक, चालक और पांच को गोलियों से भूम दिया गया था। आरोप सिंह और तत्कालीन भाजपा विधायक संजीव सिंह पर लगे। घटना के गये तो कलारी और बारी होगी। हम हाइकोर्ट और जलूर पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट तक जायेंगे। हत्यारों को फासी के फंदे तक पहुंचा कर ही दम लेंगे।

राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की तंबी फेरहिस्त

इस हत्याकांड ने दो मिलियाओं-पूर्णिमा और रागिनी के बीच ऐसी राजनीतिक लड़ाई की नींव रखी, जिसकी मिसाल पूरे ज़ारखंड में कम ही देखने को



सुनील भंडारी नीरज सिंह और संजीव सिंह के बीच व्यापक न्याय विवाद के बाद अब न्याय की बहस को फैसला देने वाले वकीलों द्वारा घटना की विवादित व्यापालिका में अदालत के फैसले के साथ ही आया है।

मिलती है। 2019 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की पूर्णिमा सिंह ने भाजपा की रागिनी सिंह को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

सीट भाजपा के पाले में लौटी। अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजीव सिंह को बरी कर दिया है, वह जंग

केवल चुनावी नहीं, बल्कि न्याय बनाम सजिश के विमर्श में बदल चुकी है।

जिस विवादित व्यापालिका के बाद नीरज सिंह और नीरज सिंह की बीच व्यापक न्याय विवाद की बात आयी है। इस विवाद के बाद नीरज सिंह ने जोरदार वापसी करते हुए पूर्णिमा को शिक्षण दी और झिरिया

हराया। 2024 के चुनाव में रागिनी सिंह ने जोरदार रहना पड़ा है।

अब जब अदालत ने संजी

शिक्षक दिवस पर राज्यभर के 128 शिक्षक सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता



रांची। शिक्षक दिवस के मौके पर झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची में राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में राज्यभर के 128 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में 50 घंटे के समेकित सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के लिए माइंड्यूल लेखन और डिजिटल स्कूलपृष्ठ तैयार करने वाले 128 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और शॉल देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय पुस्तकार के लिए चुने गये दो शिक्षक : रामगढ़ के सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता (पीएमश्री उच्च विद्यालय, मनुवा) और चतरा के

बच्चे गीली मिट्टी की तरह हैं :

का उपयोग करते हुए छात्रों को पढ़ाएं और हां बच्चे के सर्वांगण विकास पर ध्यान दें।

उन्होंने कहा कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय रहते हुए भी अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा और अपना जमानदिन शिक्षकों को समर्पित कर दिया। समान पाकर शिक्षक काफी उत्साह पर ध्यान देखे। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्कूली शिक्षा विभाग का आधार जाता। राष्ट्रीय पुस्तकार के लिए अनुशंसा की गयी। दोनों शिक्षकों को कार्यक्रम के द्वारा 25,000 रुपये, शॉल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

अग्रह किया कि वे नवी तकनीकों

कैब्रियन पब्लिक स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस

शिक्षक राष्ट्र की दिशा तय करते हैं : आनंदमयी सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता



रांची। शिक्षक राष्ट्र निर्माण हैं। शिक्षकों के द्वारा दी गयी शिक्षा समाज और राष्ट्र की दिशा तय करती है। उक्त बातें सामाजिक कार्यकर्ता आनंदमयी सिंह ने कैब्रियन पब्लिक स्कूल में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में बताए मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने कहा कि चरित्र, कौशल, संस्कार, अध्ययन सहित जीवन के तापमान आयोगों को निखारने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इससे पहले मुख्य अतिथि और प्राचार्या प्रेमलता कुमारी ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तरहीर पर माल्यांगन और दीप प्रज्ञान तय कर समारोह का पथ प्रशस्त करने में शिक्षकों के योगदान को कम नहीं आंका जा सकता है। इस अवसर पर शिक्षक बनना एक रोजगार मात्र नहीं है, बल्कि समाज निर्माण के

प्रति समर्पण का भाव भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बदलाव योग्य परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस्थितों के साथ छात्र-शिक्षक विद्यालय प्रबंधन की ओर से

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसके बावजूद बच्चों के लिए सफलता ना रहना रहमान और मिनासी कुमारी ने किया। मौके पर काफी कार्यक्रमों की भाव भी दर्शाता है। यह पुस्तक अगली पीढ़ी की संचार

कार्यक्रम गीत, नृत्य और मनोरंजक खेल प्रस्तुत किया।

परिस



शिल्पा शेट्री और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नौटिस

- बिजनेसमैन कोठारी ने केस किया, आरोप- कपल को 60 करोड़ दिये थे, एकम निजी रथ्य में लगायी

आजाद सिपाही संचादाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अधिकारी शिल्पा शेट्री और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कार जारी किया है। एक सैनिक एस्ट्रेलिया ऑफिस में बताया गया दोनों ही असर विदेश यात्रा करते हैं, जिसकी वजह से वे कदम उठाया गया है। लुकआउट सर्कार का मकसद बिना किसी रुकावट जांच को पूरा करना है।

बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने 14 अगस्त को शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई



पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (एडब्ल्यू) में मामला दर्ज कराया था। दीपक का कहना है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने बिजनेस बढ़ाने के लिए कपल को कुल 60.48 करोड़ रुपये दिए, लेकिन यह रकम निजी खर्चों में लगा दी गयी।

शिल्पा कंपनी की 87% हिस्सेदार थीं: दीपक कोठारी के मुालिक उनकी मुलाकात साल 2015 में एंजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से हूई थी। उस समय दोनों बेस्ट डोल टीवी के डायरेक्टर थे और शिल्पा का आरोप है कि बाद में शिल्पा और राज ने उसे कहा कि लोन पर टैक्स की पेशेशी आ सकती

है, इसलिए इसे इन्वेस्टमेंट के रूप में दिखाते हैं और हर महीने रिटर्न देते। पहले मामला जूहु पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत दर्ज हुआ। चूंकि रकम 10 करोड़ से ज्यादा थी, इसलिए जाच आर्थिक अपराध शाखा को सौंप दी गयी है, जो इस केस की जांच कर रही है।

शेवर थे। एक मीटिंग में तय हुआ कि शिल्पा और राज कुंद्रा की कंपनी को दीपक लोन देंगे। कंपनी के लिए 75 करोड़ रुपये का लोन मांग था, जिस पर 12% सालाना ब्याज तय हुआ। दीपक कोठारी का आरोप है कि बाद में शिल्पा और राज ने उसे कहा कि लोन पर टैक्स की पेशेशी आ सकती

काशी और मथुरा पर बातचीत के लिए तैयार मौलाना मदनी



- मोहन भागवत के सुझाव का समर्थन किया
- पहले कठा था, मथुरा और काशी हिंदू समुदाय को सौंप देने चाहिए

आजाद सिपाही संचादाता

मुंबई। मुंबई पुलिस को एक व्हाट्सएप नंबर से मिले धमकी भरे मैसेज ने सभी को अलर्ट मोड में डाल दिया। मैसेज भेजने वाले ने दावा किया कि 34 वाहनों में 400 किलोग्राम आरडीएस के ले जा रहे 34 मानव बम भेजे गए हैं, ताकि विस्फोट किया जा सके जो पूरे शहर को हिला देगा। इस मैसेज में यह दावा किया गया है कि ये लक्षण-ए-जिहादी संगठन भेज रहा है। मैसेज में दावा किया गया है कि 14

मुंबई में अनंत चतुर्दशी से पहले धमाकों की धमकी

पक्षिस्तानी आतंकवादी भारत में बुस आये हैं। एक अधिकारी ने कहा, मुंबई पुलिस पूरी राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। यह तरे के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। यह खबर ऐसे समय में आयी है जब मुंबई पुलिस शहर में अनंत चतुर्दशी और इंद-ए-मिलाद यात्राओं की तैयारियों में जुटी है। वहाँ मुंबई पुलिस के अधिकारी ने आगे कहा, हमें अपनी को हेल्पलाइन पर अनजान नंबरों से ऐसे धमकी भेज रहे हैं। ज्यादातर ये मैसेज या तो मार्शिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूँझ रखे लोगों के होते हैं या पिर शराब के नशे में धूत लोगों के होते हैं। अधिकारी ने कहा, हालांकि जब भी हमें ऐसा कोई संदेश मिलता है, तो हमें उसे अंग्रेजी से लेना होता है और ऐसे मामलों के लिए नियरित प्रोटोकॉल का पालन करना होता है।

लालू का मोदी पर तंज मोदी जी विकटी चाहिए बिहार से, फैकट्री दीजियेगा गुजरात में

बिहार (आजाद सिपाही)। बिहार विधानसभा चुनाव के एलान से पहले राज्य का सियायी पारा गर्म है। सत्तासँदू दल और विपक्ष एक-दूसरे पर निशाना साथ दे रहे हैं। इसी बीच राजद चीफ लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर सूबे की सियासत को

और गर्म कर दिया। राजद चीफ लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोर्चे पर निशाना साथ दे हुए एक पोस्ट लिखा, ए मोर्चे जी, विकटी चाहिए बिहार से और फैकट्री दीजियेगा गुजरात में? ये गुजराती फार्मूला बिहार में नहीं चलेगा।

शिक्षकों को सीएम योगी का तोहफा

लखनऊ। शिक्षक दिवस के मोकप पर सीएम योगी ने शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को तोहफा दिया है। सीएम योगी ने कहा कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेश बढ़ाया जायेगा। प्रदेश में शिक्षकों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। इसमें वैसिक माध्यमिक वित्त विभिन्न अशासकीय विद्यालयों के 9 लाख शिक्षक लाभान्वित होंगे। इसके अलावा शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसीदों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। वहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द अपनी संस्कृत देगी, उसी आधार पर सरकार मानदेश की घोषणा करेगी।

चाहे आप एक शिक्षक हों या एक शिक्षामित्र हों, यहाँ आपको अपनी शिक्षकीय वित्ती का लाभ मिलेगा। यहाँ एक उच्च स्तरीय कमेटी बनायी गयी है, जो शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेश बढ़ाने के बारे में जल्द